Dharmesh nanda. Department of Geography
Govt. Degree College - Bagaha - 1 (W. Champaran)

B.A. Part - I (Hons.)

Practical

मौसम मानचित्र

Dharmesh nanda
Assistant Professor (Guest)
Geography Department

मौसम मानचित्र

एक मौसम मानचित्र एक विशेष समय में एक विशेष क्षेत्र में विभिन्न मौसम संबंधी विशेषताओं को प्रदर्शित करता है और इसमें विभिन्न प्रतीक होते हैं जिनके सभी विशिष्ट अर्थ होते हैं। इस तरह के मानचित्र 19 वीं शताब्दी के मध्य से उपयोग किए जाते हैं और अनुसंधान और मौसम पूर्वानुमान के उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाते हैं।

एक नक्शा है जो कि एक विशेष क्षेत्र के लिए मौसम की स्थिती को दर्शाता है। इससे पता चलता है कि वहां बादल है या वर्षा या खुला आकाश। मौसम संबंधित जितने भी परिवर्तन होते हैं वे मानचित्र में भरकर लोगों को बताए जाते हैं।

उत्तरी एवं दक्षिणी कोरिया, यू. एस. ए. एवं कनाडा के बीच की सीमा रेखा के प्रदर्शन के लिए एक मानक अक्षांश वाले शंक्वाकार प्रक्षेप का चयन उपयुक्त होगा। केप काहिरा रेलमार्ग का प्रदर्शन सिनुसोयडल प्रक्षेप पर किया जाता है। न्यूनतम तापमापी में पारे के स्थान पर अल्कोहल का प्रयोग किया जाता है। एक दी गई अवधि में किसी स्थान का अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान ज्ञात करने के लिए सिक्स के तापमापी का प्रयोग किया जाता है। फारेनहाइट स्केल पर बर्फ का गलनांक 32°F (0°C) तथा जल का क्वथनांक 212°F (100°C) होता है। आर्द्रतालेखी (Hygrograph) आपेक्षिक आर्द्रता को अभिलेखित करने का यंत्र है। निर्द्रव वायुदाब मापी (Aneroid barometer) वायुमंडलीय दाब मापने का एक पारा रहित यंत्र है। जिसका आविष्कार 1843 ई. में लुसियन विडाई नामक वैज्ञानिक ने किया था।